पंक्ति से पंक्ति

नीचे स्तंभ 1 और स्तंभ 2 में कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। मिलती-जुलती पंक्तियों को रेखा खींचकर मिलाइए-

	स्तंभ 1		स्तंभ 2
1.	अधर सुधा रस मुरली राजित, उर वैजंती माल	1.	चारों दिशाओं से बादल उमड़-घुमड़ कर बरस रहे हैं, बिजली चमक रही है, वर्षा की झड़ी लग गई है।
2.	क्षुद्र घंटिका कटितट सोभित, नूपुर शब्द रसाल	2.	होंठों पर सुरीली धुनों से भरी हुई बाँसुरी और सीने पर वै. जयंती माला सजी हुई है।
3.	मीरा के प्रभु संतन सुखदाई, भक्त वछल गोपाल	3.	सावन के महीने में मेरे मन में बहुत-सी उमंगें उठ रही हैं, क्योंकि मैंने श्रीकृष्ण के आने की चर्चा सुनी है।
4.	सावन में उमग्यो मेरो मनवा, भनक सुनी हरि आवन की	4.	हे मीरा के प्रभु! तुम संतों को सुख देने वाले हो और अपने भक्तों से स्नेह करने वाले हो।
5.	उमड़ घुमड़ चहुँ दिश से आया, दामिन दमकै झर लावन की	5.	कमर पर छोटी-छोटी घंटियाँ सजी हुई हैं और पैरों में बँधे हुए नुपुर मीठी आवाज में बोल रहे हैं।